

DRAFT ENVIRONMENTAL IMPACT ASSESSMENT REPORT & ENVIRONMENT MANAGEMENT PLAN Of

Executive Summary Hindi

Dhaur & Patora Cluster Limestone Quarry

at

Village- Dhaur & Patora, Tehsil- Patan, District- Durg, C.G.,

Area: 9.01 ha

at

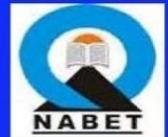
Project Name	Block/ Khasra	Area (Acres) / (Ha)	Location	Type of Land	Consent Letter
M/s. Mittal Infracon Dhaur Limestone Mine	916/1, 916/4, 916/5, 916/6 (P), 917, 918, 919, 929/1, 929/2, 929/3, 929/4, 929/5, 929/6, 929/7 and 929/8	4.46	Village-Dhaur Tehsil- Patan District- Durg State – Chhattisgarh.	Private land	Shri Sanjay Agrawal
M/s. Rock Ore Minerals Patora limestone Mine	478/1, 478/2, 479/1, 480/1, 481, 482, 541, 542/2, 543, 545, 546, 547/1, 547/2, 547/3, 547/4.	4.55	Village- Patora Tehsil- Patan District- Durg State Chhattisgarh.	Private land	Shri Rana Arun Kumar Singh



Contact: 8826287364, 9555548342
GSTIN-09AATFP5994MIZY
PAN- AATFP5994M



P & M Solution



Accredited by QCI NABET

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

कार्यकारी सारांश

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) एक प्रक्रिया है, जिसका उपयोग निर्णय लेने से पहले किसी परियोजना के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की पहचान करने के लिए किया जाता है। यह एक निर्णय लेने वाला उपकरण है, जो निर्णय निर्माताओं को प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए उचित निर्णय लेने में मार्गदर्शन करता है। ईआईए प्रस्तावित परियोजना के लाभकारी और प्रतिकूल दोनों परिणामों की व्यवस्थित रूप से जांच करता है और यह सुनिश्चित करता है कि परियोजना डिजाइनिंग के दौरान इन प्रभावों को ध्यान में रखा जाए।

खसरा संख्या 478/1,2,479/1,480/1,481,482,541 पर चूना पत्थर का खनन पट्टा 542/2,543,545,546,547/1,2,3,4&916/1,916/4,916/5,916/6(पी), 917,918,919,929/1, 929/2,929/3,929 /4,929/5,929/6,929/7 और 929/8। गांव-पतौरा और धौर, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग, राज्य-छत्तीसगढ़। क्षेत्र-4.55 हेक्टेयर और 4.46 हेक्टेयर (क्लस्टर के तहत) साथी राणा विक्रान्त को दिया गया है सिंह और साथी श्री संजय अग्रवाल।

परियोजना का स्थान -

खनन पट्टा ग्राम-पतौरा एवं धौर, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग, जिला-रायपुर (छ.ग.) में स्थित है। Geographical Co-ordinates of the Mine lease area

(Partner – shri Rana Vikrant Singh)

S.No	Latitude	Longitude	S. No	Latitude	Longitude
1	21°06'28.056"N	81°24'44.721"E	13	21°06'34.165"N	81°24'49.097"E
2	21°06'29.519"N	81°24'44.933"E	14	21°06'33.460"N	81°24'49.178"E
3	21°06'29.575"N	81°24'45.310"E	15	21°06'33.497"N	81°24'50.192"E
4	21°06'30.380"N	81°24'45.277"E	16	21°06'35.998"N	81°24'50.430"E
5	21°06'30.306"N	81°24'44.127"E	17	21°06'35.615"N	81°24'54.524"E
6	21°06'31.420"N	81°24'44.148"E	18	21°06'35.034"N	81°24'54.436"E
7	21°06'31.459"N	81°24'46.112"E	19	21°06'35.362"N	81°24'53.411"E
8	21°06'32.856"N	81°24'46.067"E	20	21°06'35.011"N	81°24'53.136"E
9	21°06'32.729"N	81°24'44.655"E	21	21°06'34.545"N	81°24'54.104"E

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

10	21°06'32.124"N	81°24'44.722"E	22	21°06'31.150"N	81°24'52.516"E
11	21°06'32.112"N	81°24'43.413"E	23	21°06'31.129"N	81°24'50.186"E
<u>12</u>	21°06'33.808"N	81°24'43.278"E	<u>24</u>	21°06'27.333"N	81°24'49.975"E

Geographical Co-ordinates of the Mine lease area

(Partner - Shri Sanjay Agrawal)

S.No	Latitude	Longitude
1	21°05'53.30"N	81°26'31.88"E
2	21°05'53.16"N	81°26'22.88"E
3	21° 05'49.84"N	81°26'21.28"E
4	21° 05'51.06"N	81°26'16.05"E
5	21° 05'58.49"N	81°26'17.28"E
6	21° 05'58.92"N	81°26'15.80"E
7	21° 05'00.09"N	81°26'16.71"E
8	21° 05'58.63"N	81°26'22.25"E

Connectivity

लीज एरिया दुर्ग से करीब 20 किमी दूर है। एमएल क्षेत्र तक नया रायपुर मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग 53 से पहुंचा जा सकता है जो उत्तर दिशा में 12 किलोमीटर की दूरी पर है। निकटतम रेलवे स्टेशन मरोदा रेलवे स्टेशन 9.8 कि.मी. निकटतम हवाई अड्डा स्वामी विवेकानन्द हवाई अड्डा है जो उत्तर पूर्व दिशा में 60 किलोमीटर की दूरी पर है।

Mailing/ Correspondence Address of Project Proponent:

M/s Rock Ore Minerals

(Partner – Shri Rana Vikrant Singh)

Village- Patora , Tehsil- Patan, District- Durg, State – Chhattisgarh

M/s Mittal Infracon

(Partner -Shri Sanjay Agrawal),

Village- Dhour, Tehsil- Patan, District- Durg, State – Chhattisgarh

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

Size of the Project:

Table 1.1, Detail of the lease area in Cluster

Mine	Village	Khasra No.	Area (Ha)	Type of land
Partner - Rana Vikrant Singh	Patora	478/1,2,479/1,480/1,481,482,541 part of \\ 542/2,543,545,546,547/1,2,3,4	4.55 Ha	Pvt Land
Partner - Shri Sanjay Agrawal	Dhour	916/1,916/4,916/5,916/6(p),917,918,919,929/1,9 29/2,929/3,929/4,929/5,929/6,929/7 and 929/8	4.46 Ha	Pvt Land
Total			9.01Ha	

कुल माना गया खनन पट्टा क्षेत्र 9.01 हेक्टेयर (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) है। पार्टनर-राणा विक्रान्त सिंह के लिए प्रस्तावित उत्पादन 79,804TPA है और पार्टनर-श्री संजय अग्रवाल के लिए प्रस्तावित उत्पादन 69,828 मीट्रिक टन है। (79804 एमटी+69828 टीपीए) = 1,49,632 टीपीए।

परियोजना का अनुमानित जीवन और परियोजना की लागत

धौर/पतौरा गांव में खदान की अनुमानित अवधि (9.01 हेक्टेयर) चूना पत्थर का औसत उत्पादन प्रस्तावित है = 79,804 और 69,828 टी/वर्ष और खनन योग्य भंडार 11,89,587 टी/18,00,920 वर्ष है। तो मेरी अनुमानित आयु की गणना = 7.77 वर्ष या कहें 8 वर्ष है।

धौर और पतौरा गांव में खदान का अनुमानित जीवनकाल (9.01 हेक्टेयर) चूना पत्थर का औसत उत्पादन प्रस्तावित = 6000 मीट्रिक टन/वर्ष और खनन योग्य भंडार 1,02,097.5 मीट्रिक टन/वर्ष है। तो मेरी अनुमानित आयु की गणना = 16/27 वर्ष या कहें तो कुल 42 वर्ष है।

खुदाई

पट्टा क्षेत्र में खनन की ओपनकास्ट अर्धमशीनीकृत पद्धति अपनाई जाएगी। खुदाई आमतौर पर गैंती-कुल्हाड़ियों, क्राउबार, छेनी के उपयोग के साथ मैनुअल श्रम द्वारा की जाएगी; स्लेज हथौड़े इत्यादि और ट्रैक्टर/ट्रक/टिपर में लादे गए। चूना पत्थर को बाजार में आपूर्ति करने के लिए उपयुक्त रूप से मिश्रित किया जाएगा। आराम बीच का बोझ है

Production Plans for First Five Years of (Partner -Rana Vikrant Singh)

Year Wise	Production (MT)
1 st Year	29925

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

2 nd Year	50233
3 rd Year	76951
4 th Year	79803
5 th Year	79804
TOTAL	316716

Production Plans for First Five Years of (Partner -Shri Sanjay Agrawal)

Year Wise	Production (MT)
1 st Year	19238
2 nd Year	39900
3 rd Year	39900
4 th Year	49875
5 th Year	69828
TOTAL	218741

Summary of Land use at different stage will be as follows (inHa):

Partner – Shri Rana Vikrant Singh

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

Land use:	Area in hectares					
	Present land use	Forest land	Agri. land	Stony waste land	Land use at the end of 5 years	Land use upto mine line
A. Lease area	4.550	nil	4.550	nil	4.550	4.550
B. Quarrying & allied						
1. Area under pit	nil	nil	nil	nil	2.580	3.360
2. Area for dumping	nil	nil	nil	nil	0.594	0.594
3. Area for road	nil	nil	nil	nil	0.060	nil
4. Area for infrastructure	nil	nil	nil	nil	0.030	nil
5. Plantation*	nil	nil	nil	nil	0.594	0.594
6. Storage of Mineral	nil	nil	nil	nil	nil	nil
7. crushing unit	nil	nil	nil	nil	nil	nil
9. Unused area	4.550	nil	4.550	nil	1.346	0.596
Total	4.550	nil	4.550	nil	4.550	4.550

Partner -Shri Sanjay Agrawal

Land use:	Area in hectares					
	Present land use	Forest land	Agri. land	Stony waste land	Land use at the end of 5 years	Land use upto mine line
A. Lease area	4.460	nil	4.460	nil	4.460	4.460
B. Quarrying & Allied						
1. Area under pit	nil	nil	nil	nil	2.370	3.780
2. Area for dumping	nil	nil	nil	nil	0.408	0.408
3. Area for road	nil	nil	nil	nil	0.160	nil
4. Area for infrastructure	nil	nil	nil	nil	nil	nil
5. Plantation*	nil	nil	nil	nil	0.408	0.408
6. Storage of Mineral	nil	nil	nil	nil	nil	nil
7. crushing unit	nil	nil	nil	nil	0.050	nil
9. Unused area	4.460	nil	4.460	nil	1.472	0.272
Total	4.460	nil	4.460	nil	4.460	4.460

एम.एम.आर. के अनुरूप बेंचों का गठन कर व्यवस्थित कार्य किया जायेगा। 1961. मानव स्वास्थ्य और खनिज की सुरक्षा और संरक्षण के सिद्धांतों का पालन करने के लिए सुरक्षित, वैज्ञानिक और व्यवस्थित कामकाज के लिए एमएमआर 1961, खान अधिनियम-1952, एमसीआर-2016 और एमसीडीआर-1988 के सभी लागू नियमों का पालन किया जाएगा।

कचरे का निपटान

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

अपशिष्ट की प्रकृति, इसकी वार्षिक उत्पादन दर और अपशिष्ट निपटान के प्रस्ताव:

ऊपरी मिट्टी को ओवरबर्डन/अपशिष्ट कहा जाएगा। यह क्षेत्र लगभग 1.0 मीटर की औसत मोटाई वाली मिट्टी से थोड़ा ढका हुआ है। मिट्टी के आवरण के नीचे वांछित अयस्क चूना पत्थर उजागर हो जाता है। उत्खनन अवधि के दौरान अपशिष्ट उत्पन्न होगा

Waste Generation of (Rana Vikrant Singh)

कुल लगभग है. योजना अवधि के दौरान गड्ढे क्षेत्र से 11359 घन मीटर मिट्टी/ओबी उत्पन्न हुई। मृदा प्रबंधन का विवरण नीचे दिया गया है:-

Soil/OB	5040m ³
20 % Swell factor	2065 m ³
Total soil with swell factor	12391 m ³
Height of soil in 4.5 m out of 7.5 m safety zone area	Dumping area is 0.594 m ² and Height 1.0 m
Dumping	<ol style="list-style-type: none">0.594 M² soil will be dumped on 0.594 m² (4.5 m out of 7.5 m safety zone area) safety zone area 1 m height.2070 CUM soil will be dumped on 694 m² area in 3 m height.Remaining 8088 CUM soil will be dumped on near adjacent land.

Waste Generation of (Shri Sanjay Agrawal)

There is total approx 5040m³soil/OB (m³with 76% Swell factor) generated from the pit area during in plan period. Details of soil management is given below: -

Soil/OB	7857 m ³
20 % Swell factor	1571 m ³
Total soil with swell factor	9428 m ³
Height of soil in 4.5 m out of 7.5 m safety zone area	Dumping area is 3953 m ² and Height 1.0 m

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

Dumping	3953 CUM soil will be dumped on 3953 m ² (4.5 m out of 7.5 m safety zone area) safety zone area 1 m height and remaining 5475 CUM soil will be dumped on near adjacent land.
---------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

(श्री राणा विक्रान्त सिंह) की डंपिंग साइट का चयन

ओ.बी. के निपटान का स्थान उत्पादन एवं विकास योजना में दर्शाया गया है। प्रस्तावित वर्षों में ओवरबर्डन उत्पन्न होगा, जिसे वृक्षारोपण के लिए पट्टा क्षेत्र की 2.0 मीटर की ऊंचाई पर वैधानिक सीमा (7.5 मीटर बैरियर जोन) में डाला जाएगा। खदान क्षेत्र से कोई अपशिष्ट पदार्थ उत्पन्न नहीं होगा।

(श्री श्री संजय अग्रवाल) की डंपिंग साइट का चयन

ओ.बी. के निपटान का स्थान उत्पादन एवं विकास योजना में दर्शाया गया है। प्रस्तावित वर्षों में ओवरबर्डन उत्पन्न होगा, जिसे वृक्षारोपण के लिए पट्टा क्षेत्र के 1.0 मीटर की ऊंचाई पर वैधानिक सीमा (7.5 मीटर बैरियर जोन) में डाला जाएगा। खदान क्षेत्र से कोई अपशिष्ट पदार्थ उत्पन्न नहीं होगा।

खनिज का उपयोग

चूना पत्थर का उपयोग औद्योगिक चूने के निर्माण के लिए इस्पात संयंत्रों और चूना भट्टियों में बीएफ ग्रेड के रूप में किया जाएगा। सीमा मूल्य से ऊपर निम्न श्रेणी के चूना पत्थर और खनन के दौरान उत्पन्न बारीक कणों का उपयोग सीमेंट संयंत्रों में किया जाएगा।

सामान्य सुविधाएँ

i) भूमि-उपयोग पैटर्न

खदान पट्टा क्षेत्र में कोई वन भूमि अथवा कृषि भूमि नहीं है। संपूर्ण खनन पट्टा जलोढ़ मिट्टी से ढका हुआ है।

ii). सतह जल निकासी पैटर्न

तांदुला नहर दक्षिण दिशा में 1.54 किमी की दूरी पर स्थित है।

iii). परिवहन मार्ग:

परियोजना स्थल के पास की सड़कों और क्षेत्र में कनेक्टिंग मुख्य सड़कों की मौजूदा वहन क्षमता को समझकर यातायात विश्लेषण किया जाता है। फिर खदान की क्षमता के आधार पर, वर्तमान परिदृश्य में जोड़े जाने वाले ट्रकों की संख्या की तुलना वहन क्षमता से की जाएगी। Existing Traffic Scenario & LOS

Road	V	C	Existing V/C Ratio	LOS
SH 22	830	1100	0.13	A

Source: Capacity as per IRC: 64-1990

V= Volume of Vehicles in PCU's/day & C= Capacity of Road in PCU's/day

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

सेवा का मौजूदा स्तर (एलओएस) "ए" और "बी" है यानी उत्कृष्ट और बहुत अच्छा।

खदान संचालन के दौरान (क्लस्टर क्षेत्र के लिए)

मेरी/वार्षिक की प्रस्तावित क्षमता: 69828 टन/वार्षिक

कार्य दिवसों की संख्या: 240 दिन

मेरी/दिन की प्रस्तावित क्षमता: 317.5 या कहें 318 टीपीडी

ट्रक की क्षमता: 10 टन

तैनात ट्रकों की संख्या/दिन: 31.8 या कहें 32 ट्रक

प्रतिदिन आने-जाने के लिए तैनात ट्रकों की संख्या: $32*2 = 64$

पीसीयू/दिन ($64*3$): 192 पीसीयू

Modified Traffic Scenario & LOS

Road	V	C	Modified V/C Ratio	LOS
State Highway 22	$830 + 192 = 1022$	1100	0.15	A

2.7 MANPOWER REQUIREMENT

Manpower requirement **(Shri Rana Vikrant Singh)**

प्रस्तावित परियोजना के लिए जनशक्ति की आवश्यकता नीचे दी जाएगी जिनका उपयोग ट्रकों या ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में खनिजों की खुदाई और लोडिंग के लिए किया जाएगा। मानव-शक्ति की आवश्यकता का विवरण नीचे दिया गया है:

Highly Skilled		
S No	Designation	No of Person
1	Mining Manager	3
2	Mining Mate/Blaster	3
Skilled		
1	Compressor Operator	2
2	Excavator Operator	2
3	Jack hammer Operator	2
4	Supervisor	5
Semi-Skilled		
1	Driver for water sprinkler	2
2	Blasting helper	2
3	Security guard for mine and office	2
4	Pump Operator	1
5	Office Staff	3

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

Un-Skilled		
1	Labor	8
Total		35

Manpower requirement (*Shri Shri Sanjay Agrawal*)

The manpower requirement for the proposed project will be given below who will be utilized for excavation & loading of minerals into trucks or tractor-trolleys. Break-up of Man-power requirement is given in below:

Manpower requirement

Highly Skilled		
S No	Designation	No of Person
1	Mining Manager	1
2	Mining Mate/Blaster	1
Skilled		
1	Compressor Operator	1
2	Excavator Operator	1
3	Jack hammer Operator	1
4	Supervisor	1
Semi-Skilled		
1	Driver for water sprinkler	1
2	Blasting helper	1
3	Security guard for mine and office	2
4	Pump Operator	1
5	Office Staff	1
Un-Skilled		
1	Labor	8
Total		20

आधारभूत-पर्यावरण का विवरण

इस खंड में क्षेत्र के 10 किमी के दायरे के आधारभूत अध्ययन का विवरण शामिल है। एकत्र किए गए डेटा का उपयोग प्रस्तावित खनन परियोजना के आसपास मौजूदा पर्यावरण परिदृश्य को समझने के लिए किया गया है, जिसके आधार पर परियोजना के संभावित प्रभावों का आकलन किया जा सकता है।

प्रस्तावित खनन के संबंध में पर्यावरणीय डेटा एकत्र किया गया है:-

(भूमि

(बी) पानी

(सी) वायु

(डी) शोर

(ई) जैविक (f) Socio-economic

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

(ए) भूमि उपयोग: भूमि उपयोग में प्राकृतिक पर्यावरण या जंगल के निर्मित वातावरण जैसे बस्तियों और अर्ध-प्राकृतिक आवासों जैसे कृषि योग्य क्षेत्रों, चरागाहों और प्रबंधित जंगलों का प्रबंधन और संशोधन शामिल है। इसे "एक निश्चित भूमि कवर प्रकार में लोगों द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं, गतिविधियों और इनपुट के कुल योग" के रूप में भी परिभाषित किया गया है।

(a) Land Use Pattern of the Study Area (within 10 km Buffer)

Land Use Type	Area (Ha.)
Scrub Land	520.51
Agriculture Land	29,893.19
River/Water Bodies	315.88
Settlement	960.10
Stone Quarry	65.77
Total	31755.45

साइट के 10 किमी के दायरे के आसपास भूमि उपयोग पैटर्न का आकलन करने के लिए, एक विस्तृत अध्ययन किया गया था। भूमि उपयोग पैटर्न के अध्ययन से पता चलता है कि 10 किमी का परिवेश मुख्य रूप से कृषि भूमि है।

बेसलाइन पर्यावरण के विश्लेषण परिणाम

(ए) मिट्टी के विश्लेषण के परिणाम।

• IS-10500 मानकों के अनुसार पीने के पानी के नमूनों के लिए निर्धारित पीएच सीमा 6.5 से 8.5 है, इस सीमा से परे पानी म्यूकस झिल्ली या जल आपूर्ति प्रणाली को प्रभावित करेगा। अध्ययन अवधि के दौरान, भूजल का पीएच 7.02 से 7.36 तक भिन्न था। अध्ययन अवधि के दौरान अध्ययन क्षेत्र में एकत्र किए गए सभी नमूनों का पीएच मान सीमा के भीतर पाया गया।

• IS-10500 मानकों के अनुसार कुल घुलनशील ठोस पदार्थों के लिए वांछनीय सीमा 500 mg/L है जबकि वैकल्पिक स्रोत के अभाव में अनुमेय सीमा 2000 mg/L है। अध्ययन क्षेत्र से एकत्र किए गए भूजल नमूनों में, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 310 मिलीग्राम/लीटर से 412 मिलीग्राम/लीटर तक हैं। नमूनों का टीडीएस क्रमशः 500 मिलीग्राम/लीटर और 2000 मिलीग्राम/लीटर की वांछनीय सीमा और अनुमेय सीमा के भीतर था।

(b) WATER ENVIRONMENT

जल गुणवत्ता मूल्यांकन ईआईए अध्ययन के आवश्यक घटकों में से एक है। इस तरह के मूल्यांकन से जल निकाय के मौजूदा स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने और विकास परियोजनाओं से संभावित प्रभाव को कम करने के लिए उचित शमन उपाय सुझाने में मदद मिलती है। निर्माण, पीने, शीतलन और बागवानी उद्देश्यों में प्रस्तावित जल-उपयोग का आकलन करने के लिए भूजल की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया है।

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

मार्च से मई 2022 के दौरान 10 किमी के प्रभाव क्षेत्र के भीतर साइट और अन्य स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी की गई। (c) AMBIENT AIR QUALITY

परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी से पता चलता है कि आठ निगरानी स्टेशनों में PM2.5 की न्यूनतम सांद्रता AQ1 पर 26.20 µg/m³ और AQ8 (कोर जोन) पर अधिकतम 44.11 µg/m³ है। PM10 के परिणामों से पता चलता है कि PM2.5 की न्यूनतम सांद्रता AQ3 पर 47.12 µg/m³ जबकि AQ8 पर 66.38 µg/m³ की अधिकतम सांद्रता पाई जाती है। PM10 और PM2.5 के लिए ये मान सभी स्टेशनों पर आवासीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए क्रमशः 100 µg/m³ और 60 µg/m³ की निर्धारित CPCB सीमा के भीतर हैं।

गैसीय प्रदूषक SO₂ और NO₂ सभी स्टेशनों पर आवासीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए निर्धारित CPCB सीमा 80 µg/m³ के भीतर हैं। SO₂ की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता क्रमशः 9.24 µg/m³ और AAQ5 पर 14.17 µg/m³ पाई गई। NO₂ की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता AAQ3 पर क्रमशः 12.12 µg/m³ और AAQ8 पर 20.13 µg/m³ पाई जाती है।

(d) NOISE ENVIRONMENT

शोर की निगरानी से पता चलता है कि दिन के समय न्यूनतम और अधिकतम शोर स्तर क्रमशः NQ5 पर 47.16 dB (A) और NQ2 पर 60.12 dB (A) दर्ज किया गया था। रात के समय न्यूनतम और अधिकतम शोर स्तर क्रमशः NQ5 पर 37.34 dB (A) और NQ2 पर 47.22 dB (A) पाया गया।

अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में कई स्रोत हैं, जो क्षेत्र के स्थानीय शोर स्तर में योगदान करते हैं। परियोजना के शुरू होने पर, यातायात गतिविधियों से निकलने वाली ध्वनि क्षेत्र के परिवेशीय शोर स्तर में वृद्धि करेगी। उचित सुझावात्मक कदम उठाकर इस पर नियंत्रण रखा जाएगा।

(ई) जैविक पर्यावरण

1 परिचय

आज हम जो जैव विविधता देखते हैं वह अरबों वर्षों के विकास का फल है, जिसे प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा आकार दिया गया है। जैव विविधता के विभिन्न घटकों के बीच परस्पर क्रिया की विशाल श्रृंखला ग्रह को मनुष्यों सहित सभी प्रजातियों के लिए रहने योग्य बनाती है। इस बात की मान्यता बढ़ती जा रही है कि, जैविक विविधता वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यधिक मूल्यवान वैश्विक संपत्ति है। साथ ही, प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्रों के लिए खतरा इतना बड़ा कभी नहीं रहा जितना आज है। मानवीय गतिविधियों के कारण प्रजातियों का विलुप्त होना चिंताजनक दर से जारी है। जैव विविधता की रक्षा करना हमारे स्वार्थ में है।

अध्ययन क्षेत्र में प्रचलित पारिस्थितिकी तंत्र की वर्तमान स्थिति को समझने, उपलब्ध आंकड़ों की मदद से पिछली स्थिति के साथ इसकी तुलना करने, परिवर्तनों की भविष्यवाणी करने के लिए ईआईए अध्ययन रिपोर्ट

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

के एक भाग के रूप में पारिस्थितिकी और जैव विविधता विशेषज्ञ द्वारा जैविक अध्ययन किया गया था। वर्तमान गतिविधियों के परिणामस्वरूप जैविक पर्यावरण और उसके स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सुझाए गए उपाय। दुर्ग जिला भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के मध्य क्षेत्र में 81.4279° पूर्व देशांतर और 21.1623° उत्तर अक्षांश के भीतर स्थित है। जिले का कुल क्षेत्रफल 2,238 वर्ग किलोमीटर है। जनसंख्या 33.4 लाख है।

जिले का मुख्यालय, दुर्ग शहर, राष्ट्रीय राजमार्ग NH-06 पर स्थित है। दुर्ग शहर छत्तीसगढ़ के दो सबसे बड़े शहरों के बीच स्थित है: छत्तीसगढ़ की राजधानी, रायपुर, और पड़ोसी रायपुर जिले का जिला मुख्यालय राजनांदगांव।

अध्ययन के उद्देश्य और उद्देश्य:

अध्ययन का मूल उद्देश्य दुर्लभ या लुप्तप्राय या स्थानिक या संकटग्रस्त (आरईईटी) प्रजातियों के विशिष्ट संदर्भ के साथ मुख्य क्षेत्र और बफर क्षेत्रों की वनस्पतियों और जीवों की स्थिति का मूल्यांकन करना है। अध्ययन को प्रस्तावित गतिविधि के प्रतिकूल प्रभावों, यदि कोई हो, का मूल्यांकन करने और IAIA और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC), सरकार द्वारा वांछित उद्देश्यों के अनुसार उपचारात्मक/शमन उपायों का सुझाव देने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है।

भारत का (भारत सरकार)। क्रियाविधि

क्षेत्र अध्ययन अवधि: पारिस्थितिक सर्वेक्षण एक सीज़न के लिए आयोजित किया गया है। विवरण नीचे दिया गया है:

प्री मानसून: (मार्च से मई 2022)।

कोर जोन: परियोजना स्थल पर.

बफर जोन: परियोजना स्थल के आसपास 10 किमी के दायरे में।

डेटा संग्रहण का तरीका

अध्ययन क्षेत्र की पुष्प और जीव संरचना का मूल्यांकन करने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण किया गया था। साइट के दौरे के दौरान पुष्प और जीव संरचना पर प्राथमिक डेटा दर्ज किया गया था और वन विभाग से माध्यमिक डेटा एकत्र किया गया था और प्रासंगिक साहित्य प्रकाशित किया गया था। एकत्रित आंकड़ों के आधार पर वनस्पतियों और जीवों की सूची तैयार की जाती है। फ़्रील्ड जांच के दौरान विचार किए गए डेटा और मापदंडों का तरीका नीचे दिया गया है:

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

स्थलीय पारिस्थितिकी स्थिति: प्राथमिक डेटा साइट के दौरे और क्षेत्र के वनस्पतियों और जीवों के पर्यावरण और वन विभाग के प्रकाशन के आधार पर प्रजातियों के नमूने के माध्यम से उत्पन्न किया जाता है। अध्ययन के उद्देश्यों के लिए मुख्य रूप से पहचानी गई प्रजातियों के साथ-साथ वनस्पतियों और जीवों का दृश्य मूल्यांकन दर्ज किया जाता है। इसके बाद अध्ययन क्षेत्र के लिए पाए गए सभी पौधों की एक सामान्य जाँच सूची तैयार की गई। इसका उद्देश्य जंगली और खेती वाले पौधों के लिए जैव विविधता को इंगित करना है। पाए गए पौधों को रौनकियर के जीवन रूप स्पेक्ट्रम के वर्गीकरण के अनुसार जीवन रूप स्पेक्ट्रम में वर्गीकृत किया गया था।

जीवन रूप स्पेक्ट्रम

रौनकियर ने जीवन रूपों को जलवायु के अनुसार पौधों के अनुकूलन के योग के रूप में परिभाषित किया। ब्रौन-ब्लैकट (1951), जिनकी प्रणाली को इस अध्ययन में अनुकूलित किया गया है, ने रौनकियर प्रणाली को संशोधित किया।

प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव एवं शमन उपाय

परिवेशी वायु गुणवत्ता पर प्रभाव

खनन पूरी तरह से मशीनीकृत विधि के अलावा ओपनकास्ट विधि से किया जाना प्रस्तावित है। अयस्क और हैंडलिंग कार्यों के साथ-साथ परिवहन द्वारा उत्पन्न वायु जनित कण मुख्य वायु प्रदूषक हैं। सड़कों पर चलने वाले वाहनों द्वारा योगदान किया जाने वाला सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) का उत्सर्जन मामूली है। प्रस्तावित उत्पादन और उत्सर्जन में शुद्ध वृद्धि को ध्यान में रखते हुए वायु पर्यावरण पर प्रभावों का पूर्वानुमान लगाया गया है।

- शमन के उपाय
- हॉल रोड पर दिन में दो बार पानी का छिड़काव किया जाएगा।
- प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न धूल को गतिविधि से पहले और बाद में काम करने वाले स्थानों पर पानी के स्प्रे से कम किया जाएगा।
- सामग्री के परिवहन के लिए चक्रीय मार्ग का पालन किया जाएगा यानी लोडेड और अनलोडेड वाहनों के लिए परिवहन का अलग-अलग मार्ग होगा। आंतरिक सड़क की चौड़ाई 10 मीटर से अधिक रखी जा सकती है।
- संपर्क सड़कों और लीज सीमा में वृक्षारोपण किया जाएगा।
- खनन सामग्री के परिवहन मार्गों की योजना बनाना ताकि सबसे छोटे मार्ग से निकटतम पक्की सड़कों तक पहुंचा जा सके। (कच्ची सड़क पर परिवहन कम से कम करें);
- खदान श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे डस्ट मास्क, ईयर प्लग आदि प्रदान किए जाएंगे।
- धूल और शोर को कम करने के लिए बड़े आकार के पत्थरों को तोड़ने के लिए रॉक ब्रेकर का उपयोग किया जाएगा, जो अन्यथा द्वितीयक विस्फोट के कारण उत्पन्न होगा।

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

- वाहन यातायात से उड़ने वाली धूल को कम करने के लिए गति सीमा लागू की जाएगी।
- शोर उत्सर्जन को कम करने के लिए पीयूसी प्रमाणित वाहनों को तैनात करना। Haul road shall be बजरी से ढका हुआ
- ट्रकों के ऊपर तिरपाल ढकने से ट्रकों से होने वाले रिसाव को रोका जा सकेगा।
- परिवेशीय वायु की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए नियमित आधार पर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी आयोजित की जाएगी।
- गैसीय प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण
- मशीनों के उचित रखरखाव से दहन प्रक्रिया में सुधार होता है और प्रदूषण में कमी आती है। ईंधन और तेल का अच्छा रखरखाव और निगरानी गैसीय उत्सर्जन में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं होने देगी।
- शोर का वातावरण
- खदान में उत्पन्न शोर अर्ध-मशीनीकृत खनन कार्यों और ट्रक परिवहन गतिविधियों के कारण होता है। खनन गतिविधि से उत्पन्न शोर खदान के भीतर ही फैल जाता है। आसपास के गांवों पर खनन गतिविधि का कोई बड़ा प्रभाव नहीं है। हालाँकि, उपरोक्त शोर स्तर का स्पष्ट प्रभाव केवल सक्रिय कार्य क्षेत्र के पास ही महसूस किया जाता है।
- गाँवों पर शोर का प्रभाव नगण्य है क्योंकि गाँव खदान से बहुत दूर स्थित हैं। चूंकि इसमें बड़ी मशीनरी की कोई भागीदारी नहीं है, इसलिए शोर के स्तर का प्रभाव न्यूनतम होगा।

S. No	Impact Prediction	Mitigation Measures
1	Noise Impact due to mining activities.	The noise levels from all the sources are periodical and restricted to particular operation.
2	Noise impact due to vehicular movement.	Proper maintenance, oiling and greasing of machines at regular intervals will be done to reduce the generation of noise. Plantation along the sides of approach roads, around office building and mine area will be done to minimize the propagation of noise. Personal Protective Equipment's (PPE) like earmuffs/earplugs will be provided to all

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

		operators and employees working near mining machineries or at higher noise zone. Periodical noise level monitoring will be done
--	--	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

Biological Environment

S. No	Impact Predicted	Suggestive measure
1	Disturbance of free movement/living of wild fauna	Care will be taken that noise produced during vehicles movement for carrying OB and ore materials are within the permissible noise level. Care will be taken that no hunting of animals (birds) carried out by labors. If wild animals are noticed crossing the core zone, it will not be disturbed at all. Laborers will not be allowed to discards food, plastic etc., which can attract animals near the core site. Only low polluting vehicle will be allowed for carrying ore materials. All vehicles allowed in the project site area will have to provide pollution under control certificate at the end of three months. Noise level will be within permissible limit (silent zone-50dB during day time) as per noise pollution (regulation and control), rules, 2000, CPCB norms.
2	Harvesting of flora	No tree cutting, chopping, lumbering, uprooting of shrubs and herbs should be allowed. Collections of economically important plants will be fully restricted.

Land Environment

S. No.	Impact Prediction	Mitigation Measures
1	Change in the Topography of the	As an abatement measure restoration of quarry pit is proposed by converting it in a water reservoir and put to an economical use like

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

	Land / Land Degradation	fish breeding or irrigation.
2	Solid waste generation	About 5% mineral wastes will be generated. Top Soil will backfilled in the mined out areas on which plantation will be raised.
3	Change in Drainage Pattern	Water flow / course will not be obstructed and natural drains or nallahs will not be disturbed. Run-off from mine and mineral stack will be prevented to avoid being discharged to surroundings, particularly to agricultural land. Garland drains and, catch pits has been constructed to prevent run off affecting the surrounding agricultural land. Green belt has been developed in boundary.
4	Impact on the Agricultural Practice at nearby area due to dust generation	Agriculture activities are practiced nearby areas may impacted because of dust generation but imitative measures such as regular water sprinkling on active areas for example haul roads, excavation sites will be strictly followed so that impact is minimized.

Water Environment

S.No	Impact Prediction	Mitigation Measures
1	Effect on the Ground Water Table	Max Elevation of the ML area is 305m AMSL Ultimate depth of mine is up to 330m AMSL. Ground Water table is 25m to 30m AMSL. The mining activity will not intersect with the ground water table.
2	Wash off from the dumps	No dumping has been proposed.
3	Soil Erosion	Reclamation of the mined out area will be done with plantation to avoid the soil erosion
4	Waste Water generation/ Discharge	Portable Bio-toilets will be used; hence no sewage / liquid effluent will be generated and contamination is also not expected due to percolation.

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

5	Siltation in nearby agriculture field	Garland drains have been constructed on the sloping side barrier of the ML area. The garland drain has been routed through settling tank to remove suspended solids from flowing into storm water.
---	---------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

10.5 अतिरिक्त अध्ययन

आपदा प्रबंधन योजना

इसमें भूकंप, आग, भूकंपीय गतिविधियां आदि जैसे उच्च जोखिम वाली दुर्घटनाएं और त्वरित निकासी के लिए प्रस्तावित आपातकालीन योजना, सुधारात्मक उपाय आदि शामिल हैं। पट्टेदार स्थानीय अधिकारियों की सहायता के साथ ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए समन्वय करेगा।

- गतिविधियों की उथली गहराई में साइड गिरने/पतन के कारण कोई उच्च जोखिम वाली दुर्घटना शामिल नहीं होगी।
- संपूर्ण खनन कार्य अनुभवी और योग्य खान प्रबंधक के प्रबंधन और नियंत्रण के तहत किया जाएगा, जिनके पास डीजीएमएस द्वारा दी गई खानों का प्रबंधन करने की योग्यता का प्रमाण पत्र होगा।
- खान अधिनियम 1952, एमएमआर 1961 और खान नियम 1955 के सभी प्रावधानों और खान पर लागू अन्य कानूनों का सख्ती से अनुपालन किया जाएगा।
- भारी वर्षा के दौरान खनन गतिविधियाँ बंद रहेंगी।
- पर्यवेक्षी क्षमता वाले सभी व्यक्तियों को उचित संचार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
- विकसित की गई आपदा चेतावनी प्रणाली को सख्ती से लागू किया जाएगा।

आपदा प्रबंधन योजना

- (ii) बचाव अभियान और घायलों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं का प्रावधान।
- (iii) यदि आवश्यक हो तो बफर जोन में मानव जीवन की सुरक्षा।
- (iv) संपत्ति और पर्यावरण की सुरक्षा करना और क्षति को कम करना।
- (v) प्रारंभ में घटना को प्रतिबंधित करना और अंततः नियंत्रण में लाना।
- (vi) किसी भी मृत व्यक्ति की पहचान करें।
- (vii) नियमानुसार प्रशासन, डीजीएमएस एवं वैधानिक व्यक्तियों को सूचित करें।
- (viii) घटना प्रतिक्रिया और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए सौंपे गए कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के साथ खान प्रबंधक के तहत एक आपातकालीन प्रतिक्रिया संगठन की स्थापना करना।

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

(ix) स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण कानूनों और विनियमों का अनुपालन करके आपातकाल को पूरा करने और सामान्य स्थिति की बहाली के लिए एक स्थायी संगठन की स्थापना करना।

10.6 परियोजना लाभ और लागत मूल्यांकन

यह परियोजना भौतिक बुनियादी ढांचे, सामाजिक बुनियादी ढांचे जैसे शुष्क मौसम के दौरान सड़क की स्थिति में सुधार, जल आपूर्ति, जल निकासी, शैक्षणिक संस्थानों और बेहतर पर्यावरणीय स्थितियों आदि में सुधार करेगी। यह परियोजना व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार और अप्रत्यक्ष रोजगार भी प्रदान करती है। इससे आर्थिक गतिविधियां, बेहतर जीवन स्तर, शैक्षणिक सुविधा, स्वास्थ्य सुविधा और ढांचागत विकास बढ़ता है। यह परियोजना जिला खनिज निधि में योगदान देगी जो विकास परियोजनाओं को निधि देने के लिए स्थानीय प्राधिकरण को सीधे सहायता प्रदान करेगी। प्रबंधन मानसून सीजन में पौधारोपण के दौरान स्थानीय लोगों को फलदार और अन्य पेड़ों आदि के मुफ्त पौधे उपलब्ध कराएगा। इससे श्रमिकों एवं आसपास के ग्रामीणों में हरियाली के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। फलों के पेड़ उनके वित्तीय लाभ में योगदान दे सकते हैं।

सीएसआर गतिविधियों को परियोजना प्रस्तावक द्वारा न केवल अनिवार्य प्रावधानों को पूरा करने के लिए बल्कि ब्रांड छवि के निर्माण या वृद्धि के लिए भी तेजी से उठाया जा रहा है। उपरोक्त के अलावा, सीएसआर को व्यवसाय संवर्धन गतिविधि के बजाय समाज के प्रति एक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है।

सूचीबद्ध सभी गतिविधियाँ समग्र रूप से सामुदायिक विकास के लिए हैं, न कि किसी व्यक्ति या परिवार के लिए। प्रत्येक विकास पहल को ग्राम पंचायत के निकट सहयोग से क्रियान्वित किया जाएगा। आवश्यकता महसूस होने पर परियोजना प्रस्तावक उपरोक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए एक गैर सरकारी संगठन की सेवाओं का लाभ उठा सकता है। Budget for Environmental Management Plan

Sl. No	Description	Capital Cost 1 st year (Rs)	Recurring Cost (Rs) 2 nd year	Recurring Cost (Rs) 3 rd year	Recurring Cost (Rs) 4 th Year	Recurring Cost (Rs) 5 th Year
1	Pollution Control & Dust Suppression	1,30,000	1,30,000	1,30,000	1,30,000	1,30,000
2	Pollution Monitoring	-	30,000	30,000	30,000	30,000
3	Plantation and salary for one gardener (full time basis) (8*12 = 96,000)	2,50,000	96,000	96,000	96,000	96,000
4	Haul road Maintenance Cost (50 m)	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000
5	Occupational health and safety cost	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000
TOTAL (Rs)		5,30,000	5,60,000	5,60,000	5,60,000	5,60,000

परियोजना: डीईआईए पतौरा - धौर चूना पत्थर खदान - (क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत) गांव- पतौरा और धौर तहसील - पाटन जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 9.01 हेक्टेयर क्षेत्र में।

Budget for Occupational Health

Particulars	Recurring Cost per year (Rs.)
For occupational health checkup	75,000
Total	75,000

Budget for Water, Shelter and Sanitation for Mine Worker

Scheme	Capital Cost (In Rs)	Recurring Cost (In Rs)
Drinking water facility (Water Cooler)	25,000	5,000
Rest shelter	1,00,000	10,000
Sanitation (Urinal and Toilet)	40,000	5,000
Total	1,65,000	20,000

निष्कर्ष

जैसा कि चर्चा की गई है, यह कहना सुरक्षित है कि प्रस्तावित सुविधाओं से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि विभिन्न प्रदूषकों को अनुमेय सीमा के भीतर रखने के लिए पर्याप्त निवारक उपाय अपनाए जाएंगे। क्षेत्र के चारों ओर ग्रीन बेल्ट विकास को एक प्रभावी प्रदूषण शमन तकनीक के रूप में भी लिया जाएगा, साथ ही साथ "धौर और पतौरा क्लस्टर चूना पत्थर खदान" के परिसर से निकलने वाले प्रदूषकों के लिए जैविक संकेतक के रूप में भी काम किया जाएगा।